यूहन्ना क दूसरी पत्र

मइँ बुजुर्ग कइँती स उ चुनी भइ स्त्री जउने क परमेस्सर
चुने अहइ, अउर ओकरे बचवन क पिरेम करित हउँ जउन
सच्चाई क भागीदार अहइँ,

मइँ तुहिन अकेले स पिरेम नाहीं करित, मुला ओन सबे
तोह सबन स पिरेम करित हीं जउन सच्चाई क जान लिहे
अहइँ। 2इ उही सच्चाई क कारण भवा बाटइ जउन हमरे मँ
बना रहत ह अउर जउन हमेसा हमरे साथे रही।

3परमपिता परमेस्सर कइँती स ओकर अनुग्रह दाया अउर
सान्ति हमेसा हमरे साथे रही अउर परमेस्सर क पूत ईसू
मसीह कइँती स सच्चाई अउर पिरेम मँ हमार जगह बनी
रही।

4तोहारे बचवन क उ सच्चाई क हिसाब स जीवन जिअत
देखिके मोका बहुत आनन्द भवा। काहेकि उ हुकुम
परमपिता स हमका मिला ह अउर उ सबइ, सच प चलत
ही। 5अउर ऐ पिआरी स्त्री, मइँ तोहका कउनउ नया आदेस
नाहीं देत अहउँ, प उहइ जउन प्रारम्भ स हमे मिला अहइ।
हमका एक दूसरे क साथे पिरेम करइ चाही। 6पिरेम क
मतलब इहइ आटइ कि हम ओकरे आदेसन क पालन
करी। इ उहइ आदेस आटइ जउने क तू सुरु स सुन्या ह
कि तोहका सबन क पिरेम क साथ जियइ चाही।

7दुनिया मँ बहोत झूठे उपदेसकन तमाम फइला पड़ा
अहइँ। वे धोखा देइवालन इ नाहीं मानतेन कि इ धरती प
मनई क रूप मँ ईसू मसीह आवा अहइ, उ ठग आटइ
अउर मसीह क विरोधी आटइ। 8अपने प्रति सावधान रहा,
अइसा न होइ कि जउन कछू कमाए अहा, ओका गँवाइ
द्या, वरन एकर प्रतिफल तू पचे प्राप्त करा।

9जउन मनई मसीह क बावत दीन्ह सच्चे उपदेस मँ टिका
नाहीं रहत, उ परमेस्सर क नाहीं पाइ सकत। अउर जउन
ओकरे उपदेस अउर क मानत ह, ओकरे पास परमपिता
अउर बेटवा दुइनउ रहत ह। 10जदि कउनउ मनई तोहरे घरे
मँ आवत ह, अउर इ उपदेस नाहीं मानत, तउ ओका अपने
घरवा मँ न आवइ द्या, अउर न नमस्कार करा। 11काहेकि
जे अइसे मनई क स्वीकार करत ह, उ ओकरे बुरे कामन मँ
हिस्सेदार होइ जात ह। 12तोहका लिखइ क वास्ते मोरे लगे
बहुत सी बातन अहइँ मुला ओन सबन क कलम दवात स
मइँ लिखइ नाहीं चहित मुला मोका इ आसा अहइ कि
तोहरे सामने आइके आमने सामने बइठिके तोहसे बात
करउँ। जेहसे कि हमार आनन्द पूरा होइ जाइ। 13तोहरी
परमेस्सर द्वारा चुनी भइ बहन* क बचवन तोहका नमस्कार
कहत हीं।

बहन हिआँ बहन स अरथ उ ठउरे क कलीसिया स मालूम पड़त ह, जहाँ स यूहन्ना इ चिट्ठी लिखेस ह अउर 'बेटे, बिटियन, स अरथ अहइ उ कलीसिया क निअम्बर स जउन पैलगी पठवत अहइँ।